कार्य को पूर्ण निष्ठा से करना ही आंनद

जनपद के सभागार में अल्पविराम कार्यशाला का समापन

नवभारत कटंगी। राज्य आनंद संस्थान, भोपाल एवं मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड कटंगी बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में गुरुवार को एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत कटंगी के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन, दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। शुभारम्भ सत्र में जिला समन्वयक सुशील बर्मन द्वारा अल्पविराम कार्यक्रम के उद्धेश्य से अवगत कराया गया, सभी प्रतिभागियों को जीवन में आनंद कैसे प्राप्त हो, इस विषय पर विचार प्रकट किया गया। कार्यशाला को बढ़ाते हुए सत्र प्रशिक्षक वी के पटेल द्वारा लाइफ बैलेंस शीट एवं संपर्क-सुधार-दिशा के सत्र लिए गए एवं उनके द्वारा व्यवहार परिवर्तन से जीवन को मिली दिशा से जुड़े अनुभव साझा किए, मास्टर ट्रेनर कमलकांत बिठले ने मुक्ति पात्र के माध्यम से बताया कि क्या मैं जैसा बाहर से दिखाई देता हूँ वैसा भीतर से हूँ तथा लोगों से भी वैसी अपेक्षा रखता हूँ, अब मैं अपने जीवन में आनंद की अनुभुति प्राप्त कर रहा हूँ। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने भी उत्सुकता से जीवन में आनंद कैसे मिले इसके लिए अनेकानेक खेल एवं क्रियान्वयन में सहभागिता की।

ये रहे उपस्थित

कार्यशाला में राकेश प्रजापति तहसीलदार, शांडिल्य जी नायब तहसीलदार , गायत्री सारथी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आकाश दुबे प्रवेक्षक (आनंद विभाग भोपाल) सुशील बर्मन (जिला समन्वयक जन अभियान परिषद) सुरेन्द्र कुमार भगत (विकासखंड समन्वयक) एवं आनंद विभाग से बी. के पटेल (ज़िला सम्पर्क व्यक्ति एवं मास्टर ट्रेनर) , कमलकांत बिठले (मास्टर ट्रेनर) हंसराज भोतिक (मास्टर ट्रेनर) लालबहादुर जी राहंगडाले (सामाजिक कार्यकर्ता) संदीप शर्मा (सामाजिक कार्यकर्ता), देवी प्रसाद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता) उपस्थित रहे।

अनेक विभाग हुए शामिल

आभार व्यक्त सुरेंद्र कुमार भगत विकासखंड समन्वयक द्वारा किया गया । कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय विभाग जिनमें स्कूल शिक्षा, स्वास्थ विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पुलिस विभाग, मत्स्य विभाग पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारीगण सहित परामर्शदाता सुश्री अंजू डोंगरे, अरविन्द दरवडे, राजकुमार ब्यौत्रा अवलेश पारधी, शालू राऊत ने सराहनीय योगदान दिया।

तिपदा में 20 हजार लोगों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

बालाघाट। श्रीराम बालाजी मंदिर रामपायली परिसर में श्रीराम सेवा समिति की ओर से प्रति वर्ष अनुसार कार्तिक माह की प्रतिपदा तिथि पर नागरिकों के सहयोग से भव्य अन्नकूट महाप्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 गाँवो से पधारे 20,000 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया व सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए भी एकजुटता के साथ संकल्प लिया।

श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल ने बताया की 4 जनवरी को राम मंदिर परिसर में नदी तट पर भव्य मेले का आयोजन किया जायेगा जिसमें लगभग 200 गाँव से सनातन जागरूकता पदयात्रा, ग्रामीण व शहरी अंचलों से जीवंत झाकियां शामिल होगी। दोपहर में सुप्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल द्वारा श्री राम जी के भजन प्रस्तुत किये जायेंगे। कार्यक्रम में पर्यावरण का पूरा ध्यान रखते हुए मेले में आने वाले लगभग एक लाख लोगों को पत्तल में महाप्रसाद वितरित कर प्लास्टिक मुक्त अभियान का संदेश दिया जायेगा। समिति की ओर से उक्त मेले में शामिल होने का आव्हान समिति पदाधिकारियों की ओर से किया गया है।

दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी व्यवसाय के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना सुनहरा अवसर

बालाघाट। पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी व्यवसाय के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। पशुपालक एवं किसान इस योजना का लाभ लेकर समृद्धि की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. आर एस नगपुरे ने बताया कि योजना के लिए पशुपालक के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने पर उसी के अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना की एक इकाई में 5 भैंस होने पर 4 लाख 25 हजार रुपए तथा 5 शंकर नस्ल की गाय होने पर 3 लाख 82 हजार रुपए एवं देशी गाय होने पर 2 लाख 43 हजार 750 रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। 10 दुधारू पशुओं के होने पर 10 भैंसों में 8 लाख 40 हजार, शंकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार रुपए तथा 10 देशी गाय के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस योजना में 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से दी जाती है। शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में देनी होती है। योजना में 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी लाभ दिया जाता है।

बच्चों के समग्र विकास का माध्यम ईंट्यूशन प्रोग्राम

बालाघाट। जहां विज्ञान और योग एक साथ मिलते हैं, वहीं जन्म लेती है इंट्यूशन — वही दिव्य क्षमता जिसे गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी ने आधुनिक युग में विश्व के सामने प्रस्तुत किया है।

आर्ट ऑफ लिविंग के इंट्यूशन अंत:प्रज्ञा प्रोग्राम के माध्यम से बच्चों में ऐसी अद्भुत प्रतिभा विकसित होती है, जिससे वे बंद आंखों से भी वस्तुओं, रंगों को पहचानने और लिखे हुए शब्दो को पढ़ने क्षमता प्राप्त कर लेते हैं साथ ही अज्ञात का भय दूर आत्मविश्वास मे वृद्धि बेहतर निर्णय क्षमता शारीरिक मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ मे सुधार पढ़ाई खेलकूद और अन्य गतिविधियों में सुधार शांत मन

तीक्ष्ण बुद्धि सोच मे पैनापन सही समय पर सहीं विचार परिक्षाओं का भय खत्म बेहतर अनुशासन बेहतर संवाद आपसी संबंधो में सुधार होगा हाल ही में बालाघाट के मोती उद्यान में आयोजित एक विशेष अवसर पर जब नन्हे बालक अक्ष चावला ने सबके सामने अपनी छठी इंद्रिय का लाइव डेमो प्रस्तुत किया, तो उपस्थित सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए। अक्ष ने आंखें बंद रखकर विभिन्न वस्तुओं और रंगों की सटीक पहचान की। यह प्रदर्शन न केवल बच्चों की छिपी क्षमताओं का प्रमाण था, बल्कि इस बात का भी उदाहरण कि योग, ध्यान और सुदर्शन क्रिया के नियमित अभ्यास से मानव मस्तिष्क की अपार संभावनाएँ खुल सकती हैं।?

ज्ञान-विज्ञान और आध्यात्म का अद्भुत संगम

कार्यक्रम के प्रशिक्षक सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि इंट्यूशन प्रोग्राम कोई जादू नहीं, बल्कि बच्चों के मस्तिष्क की ऊर्जा और अंतर्ज्ञान को सक्रिय करने की वैज्ञानिक योगिक प्रक्रिया है, चेतना का विज्ञान है । उन्होंने कहा —जो देखकर भी विश्वास न हो, वही इस इंट्यूशन प्रोग्राम की सच्ची शक्ति है। यह बच्चों के भीतर छिपे सामर्थ्य को जागृत करता है और उन्हें अधिक केंद्रित, शांत और आत्मविश्वासी बनाता है।उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण बच्चों में आत्मविश्वास, एकाग्रता, स्मरण शक्ति, निर्णय लेने की क्षमता, रचनात्मकता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ाता है।

कोदो कुटकी उपार्जन के लिए 146 किसानों ने कराया पंजीयन

बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन द्वारा रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश में पहली बार कोदो-कुटकी का समर्थन मूल्य पर उपार्जन करने की व्यवस्था की जा रही है। कोदो-कुटकी की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए 15 जिलो को चिन्हित किया गया है, इसमें बालाघाट जिला भी शामिल है। उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि समर्थन मूल्य पर कोदो कुटकी उपार्जन के लिए बालाघाट जिले में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बैहर, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था उकवा, सेवा सहकारी समिति मर्यादित पायली, सेवा सहकारी समिति मर्यादित दमोह एवं सेवा सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी में किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। अब तक 146 किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। जिले के कोदो-कुटकी उत्पादक किसान अपने उपज को बेचने के लिए इन संस्थाओं के माध्यम से पंजीयन करवा सकते है। कोदो-कुटकी विक्रय के लिए वन पट्टाटाधारी कृषक भी पंजीयन करा सकते है। कोदो कुटकी की फसल लगाने वाले किसानों से अपील की गई है कि वे शीघ्रता से अपना पंजीयन करा ले। श्री अन्न उत्पादक जिले के कृषकों से श्री अन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्री अन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा।

सांसद ने 100 वर्षीय वृद्ध से की मुलाकात, लिया आशीर्वाद

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने देवरी कला में लिया राम मानस पाठ का धर्म लाभ, ग्रामीणजनों के साथ मिलकर मनाया दीपोत्सव

मण्डला 23 अक्टूबर नभाप्र. दीपावली महापर्व के दूसरे दिन सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने संसदीय क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ त्यौहार का आनंद साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम देवरी कला बबलिया और गृह ग्राम बरबटी में ग्रामीण जनों से मुलाकात की और उनके घर-घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। बताया गया कि देवरी कला बबलिया में मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते जयसवाल परिवार के घर भी पहुंचे, जहाँ उन्होंने हाल ही

में 100 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले रामकृष्ण जायसवाल से मुलाकात की। उन्होंने वृद्ध रामकृष्ण जायसवाल से आशीर्वाद लिया और उनका हालचाल जाना। बताया गया कि इसी परिवार में कुछ दिन पूर्व उमाशंकर जायसवाल का निधन हो गया था। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढाढस बधाया और संतावन दी। इस दौरान सांसद ने ग्राम के विष्णु प्रसाद सोनी द्वारा आयोजित राम मानस पाठ अखंड रामायण में भी हिस्सा लिया। हनुमान मंदिर में चल रहे इस तीन माह के धार्मिक आयोजन में बैठकर मंडला सांसद ने धर्म लाभ लिया। इस दौरान फग्गन सिंह कुलस्ते ने ग्रामीणों के साथ बैठकर मिठाइयां खाईं और सामूहिक रूप से दीपावली महापर्व का आनंद लिया, जिससे जवानों और ग्रामीणजनों के बीच आत्मीयता और अपनत्व का माहौल बना।

कोदो-कुटकी के उपार्जन के लिए 30 पंजीयन केन्द्र निर्धारित

मंडला 23 अक्टूबर नभाप्र. खरीफ वर्ष 2025 में ई-उपार्जन पोर्टल पर 10 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक कोदो-कुटकी के पंजीयन के लिए 30 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किए गए हैं, जो धान उपार्जन के ही पंजीयन केन्द्र हैं। पंजीयन केन्द्रों में लगभग 15 हजार कोदो-कुटकी कृषकों का पंजीयन होना है। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति द्वारा तहसील बिछिया में सिझौरा, बिछिया, दानीटोला, अंजनिया, ककैया, रामनगर, मवई, मेढा, खलौड़ी, घुटास एवं भानपुर में पंजीयन केन्द्र निर्धारित किया गया है।

देश सेवा के बीच जवानों ने परिवार की कमी पूरी कर हर्षोल्लास से मनाई दिवाली

148 बटालियन सीआरपीएफ ने मनाया दीपोत्सव, कमाण्डेन्ट ने बढ़ाया जवानों का मनोबल

मंडला 23 अक्टूबर नभाप्र. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मंडला की 148 बटालियन ने दिवाली का पर्व बड़े उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। देश की सेवा में अपने घरों से दूर रहने वाले जवानों के लिए यह एक यादगार अवसर था, जहाँ बटालियन ने उनके लिए एक खुशनुमा और जीवंत पारिवारिक माहौल बनाने का प्रयास किया।

समारोह की शुरुआत बटालियन के कमाण्डेन्ट विक्रांत सांरगपाणि द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित पूजा से हुई। इसके बाद सभी

अधिकारियों और जवानों ने भी दीप प्रज्वलित किए, जिससे मुख्यालय परिसर रोशनी से जगमगा उठा। इस अवसर पर बटालियन के सभी अधिकारी, जवान और उनके परिवार एक साथ मिलकर खुशियां बांटीं। कमांडेंट विक्रांत सांरगपाणि ने जवानों को संबोधित करते हुए उनकी देश के प्रति निस्वार्थ सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिवाली का यह त्यौहार हमें नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने का संदेश देता है और यह पर्व कठिन परिस्थितियों में तैनात जवानों के मनोबल को बढ़ाने का काम करता है। विभिन्न राज्यों से आए जवानों ने एक साथ मिलकर त्यौहार मनाया। समारोह में उप कमाण्डेन्ट मनोरंजन कुमार, सूबेदार अंकुष शर्मा के साथ वाहिनी के अन्य अधिनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने भाग लिया।

22 पेटी अंग्रेजी शराब से भरी नई बलेनो जब्त, अवैध शराब परिवहन पर शिकंजा

मनेरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नाकाबंदी देख कार चालक मौके से फरार, तलाश जारी, जब्त सामग्री की कीमत 10 लाख से अधिक

मंडला 23 अक्टूबर नभाप्र. पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी निवास के निर्देशन में चौकी मनेरी पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की है। पुलिस ने लगभग 10 लाख रुपये मूल्य का अवैध शराब का जखीरा और एक बिना नंबर की नई कार जब्त की है। जानकारी अनुसार सोमवार को तड़के सुबह गश्त के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि निवास की ओर से जबलपुर दिशा में नीले रंग की बिना नंबर की बलेनो कार में अवैध अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही चौकी मनेरी पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए एकेवीएन ऑफिस के पास मेड़ी मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी की। बताया गया कि नाकाबंदी देखकर कार चालक पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को कार के अंदर कुल 22 पेटी में 193.13 लीटर अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने जब्त किये गए सामान में अंग्रेजी शराब करीब 1 लाख 53 हजार 872 रूपए बलेनो कार बिना नंबर की अनुमानित कीमत 8 लाख 50 हजार रूपए समेत करीब 10 लाख रूपए का माल जब्त किया गया। पुलिस ने इस संबंध में आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। यह कार्रवाई प्रभारी चौकी मनेरी उपनिरीक्षक शशांक शुक्ला के नेतृत्व में की गई। इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम में कार्यवाह सहायक उपनिरीक्षक मनोज सेन, प्रधान आरक्षक अरविंद सिंह, अभिषेक मिश्रा, आरक्षक आनंद कुमार कोरी, मुकेश कुमार, सैनिक योगेश पटेल का सराहनीय योगदान रहा।

बिजली का फंदा लगाकर किया था शिकार, डॉग स्कायड जांच में हुआ खुला

> सबूत मिटाने आरोपियों ने दबाया था माता तेंदुए का शव
>
> वन विभाग ने तीन आरोपियों को दबोचा, एक फरार
>
> बम्हनी परिक्षेत्र के वृत्त राता में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

मंडला 23 अक्टूबर नभाप्र. जिले के पश्चिम सामान्य वन मंडल क्षेत्र अंतर्गत बम्हनी परिक्षेत्र के वृत्त राता में जमीन में गड़े मादा तेंदुए के शव मिलने के सनसनीखेज मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। इस अवैध शिकार के मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि मुख्य आरोपी में से एक मंतू वयाम अभी भी फरार है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ग्राम झांगुल निवासी धरम सिंह उइके, मैन सिंह पन्द्रे और कुंजी लाल यादव के रूप में हुई है। एसडीओ (वन) श्रीराम सूत्रकार ने बताया कि डॉग स्कायड की जांच के बाद आरोपी धरम सिंह पर संदेह गहराया। गहन पूछताछ में धरम सिंह ने स्वीकार किया कि तेंदुए के शव को घसीट कर गड्ढे में दबाया गया था। उसने यह भी बताया कि उसने अन्य तीन आरोपियों को घटना स्थल के पास संदिग्ध गतिविधि करते देखा था। धरम सिंह के घर से चीतल का सींग भी बरामद हुआ है।प्राथमिक जांच में यह सामने आया कि आरोपियों का मूल उद्देश्य किसी अन्य जानवर का मांस के लिए शिकार करना था, लेकिन उनके द्वारा लगाए गए बिजली के फंदे में दुर्घटनावश तेंदुआ फंस गया। इसके बाद, पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने शिकार के सबूत मिटाने के लिए शव को जमीन में दबा दिया था।

यह मामला 18 अक्टूबर की रात दीपावली पर्व के दौरान तब सामने आया, जब गश्ती दल को बीट झांगुल कक्ष क्रमांक आरएफ 792 से लगे राजस्व क्षेत्र में तेंदुए का शव जमीन में दबा मिला था। घटनास्थल से बिजली के करेंट से जली जमीन, जीआई तार के टुकड़े और हुक बरामद हुए थे। फरार आरोपी मंतू वयाम की तलाश जारी है।

उदयपुर के गौसुलवरा कॉन्फ्रेस में उमड़ी भीड़, हजरत सैय्यद कौसर रब्बानी ने की देश में सुख-शांति की दुआ

उदयपुर 23 अक्टूबर नभाप्र. इस्लामी कैलेंडर के चौथे महीने रबी उल आखिर ग्यारहवीं शरीफ के पाक अवसर पर उदयपुर ग्राम में गौसुलवरा कॉन्फ्रेस का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेस में मुस्लिम धर्मगुरु पीरे तरीकत रहबरे राहे शरीयत आले नबी ओलादे अली हजरत सैय्यद कौसर रब्बानी साहब का आगमन हुआ, जिनका मुस्लिम समुदाय द्वारा भव्य स्वागत किया गया। रबी उल आखिर के इस मुबारक महीने में आयोजित रात्रि जलसा में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भारी संख्या में उपस्थिति रही। इस मौके पर समाज के नामी गिरामी शायर व नातेखाँ भी शामिल हुए, जिन्होंने अपने कलामों से लोगों के ईमान को ताजा किया।

मुख्य रूप से सरफराज नूरी पाटन, कैसर रजा, इमाम उदयपुर आबिद रजा, नासिर अख्तर बरगी, अकबर आलम बीजाडांडी जबलपुरी, अबरार रजा जबलपुर और बीजाडांडी मस्जिद के इमाम अफरोज आलम साहब ने नाते-कलाम पेश किए। कार्यक्रम के अंत में हजरत सैय्यद कौसर रब्बानी साहब ने तकरीर की, जिसके बाद नाते-सलाम हुआ और देश में अमन-चैन के लिए विशेष दुआ माँगी गई।

सैय्यद कौसर रब्बानी साहब के उदयपुर आगमन पर अन्य समाज के लोग भी उनके दर्शन और प्रवचन सुनने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सदर इकबाल अहमद, अब्दुल समद, शेख महबूब, ताहिर भाईजान, मो. सब्बीर, शेख रमजान, फिरोज मन्सूरी, शेरखान, साबिर मंसूरी, इमरान मंसूरी, अब्दुल गनी, सदर बीजाडांडी अकील साहब, मो. सफर, गुलजार सिद्दीकी, हैदर सिद्दीकी, अकरम, अब्दुल रब, अब्दुल करीम, शहीद शा, मेहमूद शा आदि ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

अनूठी पहल

बिछिया अधिकारी बनीं बच्चों की प्रेरणा, जेईई, नीट, क्लेट की दी जानकारी, अहीर नृत्य की सराहना की

बिछिया एसडीएम सोनाली देव ने छात्रावास के बच्चों के साथ मनाई दिवाली

भुआ बिछिया 23 अक्टूबर नभाप्र. दीपावली पर्व के अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिछिया सोनाली देव ने एक अनूठी पहल करते हुए सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास सिझोरा के बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ उत्साह और धूमधाम से दीपावली मनाई। पिछले वर्ष की परंपरा को दोहराते हुए बच्चों के बीच अपनी आइडल अधिकारी को पाकर छात्र भी बेहद खुश हुए।

बताया गया कि एसडीएम सोनाली देव ने छात्रावास में छात्रों के साथ विधिवत लक्ष्मी पूजन किया, माल्यार्पण किया और दीपमाला का पहला दीप जलाया। उन्होंने बच्चों को पटाखे, चॉकलेट और गिफ्ट प्रदान किए। अधिकारी ने बच्चों के साथ मिलकर खूब पटाखे जलाए और उनके द्वारा किए गए अहीर नृत्य की जमकर तारीफ की।

छात्रों से की विशेष चर्चा

उन्होंने प्रतिभावान छात्र 10वीं में 95 प्रतिशत लाने वाले विमल प्रकाश मुराली और एथलेटिक्स में गोल्ड मेडलिस्ट नीतू मरावी से विशेष रूप से चर्चा की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर जिला परियोजना समन्वयक मंडला सह विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिछिया कुलदीप कठल एवं छात्रावास अधीक्षक शीतेन्द्र सिंगौर भी उपस्थित रहे।

कैरियर पर दिया मार्गदर्शन और किया संवाद

बच्चों के बीच बैठकर अनुविभागीय अधिकारी ने छात्रावास की गतिविधियों, साप्ताहिक टेस्ट परीक्षा की तैयारी और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों को भविष्य के लिए मार्गदर्शन देते हुए कैरियर निर्माण योजना, समय प्रबंधन, और अवसर का लाभ उठाने के बारे में बताया। उन्होंने जेईई, नीट, क्लेट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं और देश के विभिन्न प्रख्यात विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी भी छात्रों को दी।

स्थानीय मिलेट के साथ विशेष भोजन

दीपावली के इस खास अवसर पर एसडीएम सोनाली देव ने छात्रावास के छात्रों के साथ विशेष भोजन भी किया। भोजन में स्थानीय मिलेट जैसे कोदो भात, कुटकी की खीर और सरसों की साग जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। उन्होंने स्वादिष्ट भोजन के लिए छात्रावास के रसोइयों की भी तारीफ की।